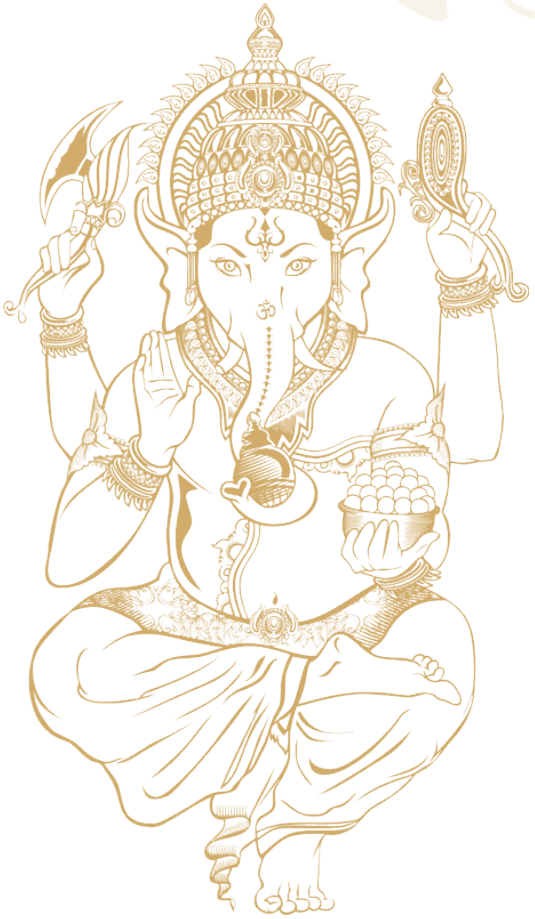

Ram

03 Jul 2002

07:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121709002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/07/2002**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	33:51:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:09 घंटे
साम्पातिक काल	13:24:29 घंटे
सूर्योदय	05:27:32 घंटे
सूर्यास्त	19:22:52 घंटे
दिनमान	13:55:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:33:31 मिथुन
लग्न के अंश	13:01:55 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	13:01:55	343:23:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मिथु	17:33:31	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	सम राशि
चंद्र			मीन	26:45:32	11:55:16	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	29:37:13	00:38:43	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			वृष	29:16:55	01:39:27	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	29:37:07	00:13:16	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	27:47:51	01:08:35	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि			वृष	27:39:32	00:07:30	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु			वृष	23:44:07	00:00:30	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	23:44:07	00:00:30	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:35:05	00:01:23	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	16:27:14	00:01:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:42:43	00:01:24	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
दशम भाव			कन्या	28:56:32	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:15

लग्न-चलित

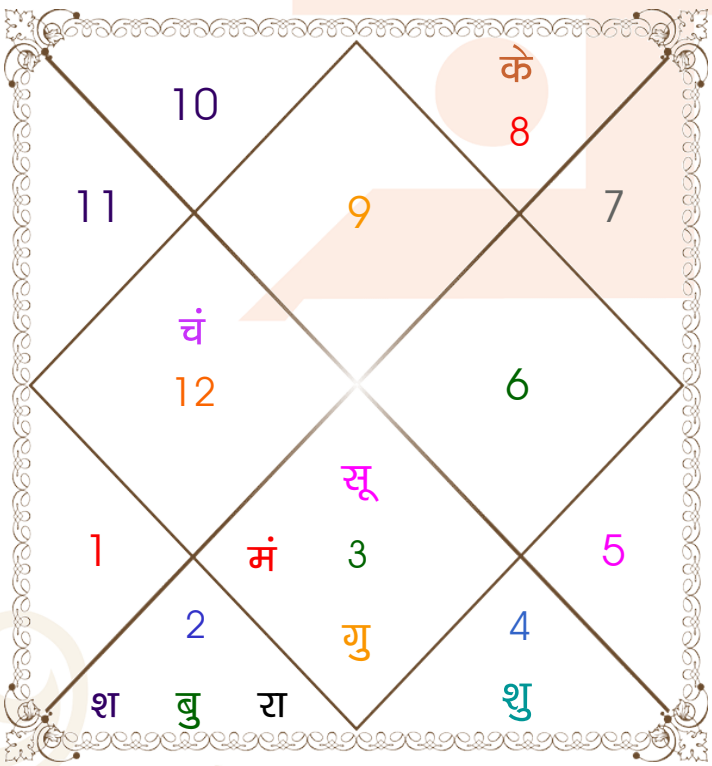

चन्द्र कुंडली

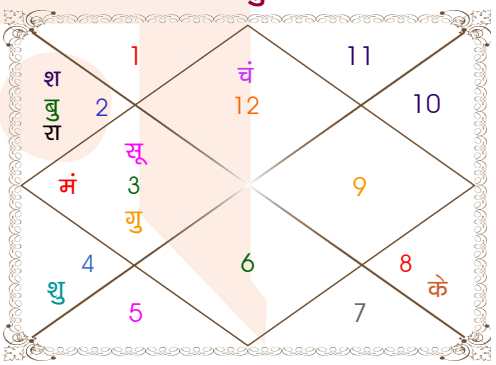

नवमांश कुंडली

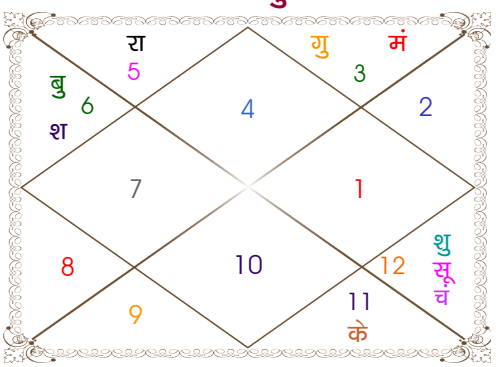

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 1 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/07/2002		21/08/2006		20/08/2013		20/08/2033		21/08/2039	
21/08/2006		20/08/2013		20/08/2033		21/08/2039		20/08/2049	
	00/00/0000	केतु	17/01/2007	शुक्र	20/12/2016	सूर्य	08/12/2033	चंद्र	20/06/2040
	00/00/0000	शुक्र	18/03/2008	सूर्य	20/12/2017	चंद्र	09/06/2034	मंगल	19/01/2041
	00/00/0000	सूर्य	24/07/2008	चंद्र	21/08/2019	मंगल	14/10/2034	राहु	21/07/2042
	00/00/0000	चंद्र	22/02/2009	मंगल	20/10/2020	राहु	08/09/2035	गुरु	20/11/2043
	00/00/0000	मंगल	21/07/2009	राहु	21/10/2023	गुरु	26/06/2036	शनि	21/06/2045
	00/00/0000	राहु	08/08/2010	गुरु	21/06/2026	शनि	08/06/2037	बुध	20/11/2046
	03/07/2002	गुरु	15/07/2011	शनि	20/08/2029	बुध	15/04/2038	केतु	21/06/2047
गुरु	12/12/2003	शनि	23/08/2012	बुध	20/06/2032	केतु	21/08/2038	शुक्र	19/02/2049
शनि	21/08/2006	बुध	20/08/2013	केतु	20/08/2033	शुक्र	21/08/2039	सूर्य	20/08/2049

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
20/08/2049		20/08/2056		21/08/2074		21/08/2090		21/08/2109	
20/08/2056		21/08/2074		21/08/2090		21/08/2109		00/00/0000	
मंगल	17/01/2050	राहु	03/05/2059	गुरु	08/10/2076	शनि	23/08/2093	बुध	18/01/2112
राहु	04/02/2051	गुरु	26/09/2061	शनि	21/04/2079	बुध	03/05/2096	केतु	14/01/2113
गुरु	11/01/2052	शनि	02/08/2064	बुध	27/07/2081	केतु	11/06/2097	शुक्र	15/11/2115
शनि	19/02/2053	बुध	19/02/2067	केतु	03/07/2082	शुक्र	12/08/2100	सूर्य	21/09/2116
बुध	16/02/2054	केतु	09/03/2068	शुक्र	03/03/2085	सूर्य	25/07/2101	चंद्र	20/02/2118
केतु	15/07/2054	शुक्र	10/03/2071	सूर्य	20/12/2085	चंद्र	23/02/2103	मंगल	17/02/2119
शुक्र	14/09/2055	सूर्य	01/02/2072	चंद्र	21/04/2087	मंगल	03/04/2104	राहु	06/09/2121
सूर्य	20/01/2056	चंद्र	02/08/2073	मंगल	27/03/2088	राहु	08/02/2107	गुरु	04/07/2122
चंद्र	20/08/2056	मंगल	21/08/2074	राहु	21/08/2090	गुरु	21/08/2109		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 1 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।